%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 664

NO. 348

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1122; A. R. No. 350-D of 1899 )

Ś. 1296

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शाके(का)व्दे तर्क नंदारुणपरिगणिते भाद्रमासे द-

(२।) शम्यां कृष्णायां सौरिवारे हरिशिखरिपते र्धू[प]काले

(३।) रजन्यां [।] प्रादादाचंद्र[ता]रं सकलगुणनिधिः ं य ं ं

(४।) कुराह्यः सत्भावादर्जुलेंकाभिध डगरवर स्वेष्टकार्या-

(५।) त्थंसिद्ध्यै ।। श्रीशकवरुषवुलु १२९६ गुनेंटि भाद्रपद कृ-

(६।) ष्ण दशमियु शनिवारमुनांडु<2> पोट्नूरिवीटि सत्रिभान ड-

(७।) गर अर्जुलेंका तनकु नभिष्टात्थसिद्धिगा श्रीनरसिहनाथु-

(८।) निकि रात्रि धूपावसरमंदु शेमंतिखिरि अरगिपनु

(९।) चंद्रदास किल्लारि कोडुकु अल्लालु किल्लारि वसमुननू आऋ

(१०।) वै ६० मोदालं वेट्टि ईतनि कूडुजीतानकु श्रीभंडार[म]दु

(११।) पद्मनिधि मुपै गंडमाडलु [३]० पेट्टि नित्यमुन्नु प्रसाद-

<1. In the forty-nineth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 2nd September, 1374 A. D., Saturday.>

%%p. 665

(१२।) मु नेलपडि अपतु । ३१ विडियलु । ३१ एंडादि जीतामु गंड-

(१३।) माडलु ७ । इंतापाट्टुन्नु वृत्तिगां भडसि ई अल्लालु किल्लारि

(१४।) आच द्रार्क च्छ(स्था)हिगां वेट्टनु [इ]तंडु इंतपट्टुनु

भुजि[ं]चि नित्य-

(१५।) मुन्नु रेंडु कुंचालु अलापटमु पलुदेचि नगरप्रवेश-

(१६।) मु चेय गल[ं]डु ।। इ धर्म्म श्रीवैष्णव रक्ष श्री श्री श्री [।।]